



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 2—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 374¹

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 26, 1977/भाद्र 4, 1899

No. 374]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 26, 1977/BHADRA 4, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 26th August 1977

S.O. 637(E)/18A/IDRA/77.—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act 1951 (65 of 1951), and in partial modification of the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development Order No S.O. 608(E)/18A/IDRA/72, dated the 18th September, 1972, the Central Government hereby authorises with immediate effect the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta, to take over the management of the Indian Rubber Manufacturers Limited, Calcutta

[No F. 25(5)/72-CUC]

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1977

का० प्रा० 637(अ)/18क/आईडीआरए/77.—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 608 (अ)/18ए/आई डी आर ए/72, तारीख, 18 सितम्बर, 1972 के आदेशक उपान्तरण में, इण्डस्ट्रियल रीकन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, कलकत्ता को इण्डियन रबर मैन्यूफैक्चरर्स लिमिटेड, कलकत्ता का प्रबन्ध तुरन्त ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं० फा० 25(5)/72-सी यू सी]

S.O 638(E)/18A/IDRA/77.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No S.O 608(E)/18A/IDRA/72, dated the 18th September, 1972 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as the Indian Rubber Manufacturers Limited, Calcutta, had been taken over for a period upto and inclusive of the 17th September, 1977,

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period of two years,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 17th September, 1979.

[No F 25(5)/72-CUC]

D. K. SAXENA, Jt. Secy

का० आ० 638(अ)/18क/आई डी आर ए/77.—भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० 608 (अ)/18क/आई डी आर ए/72, तारीख 18 सितम्बर, 1972 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स इण्डियन रबर मैन्यूफैक्चरर्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्धग्रहण 17 सितम्बर, 1977 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, ले लिया गया था ,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश और दो वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी बना रहना चाहिए ,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 17 सितम्बर, 1979 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रभावी बना रहेगा।

[सं० फा० 25(5)/72-सी यू सी]

दिनेश किशोर सक्सेना, संयुक्त सचिव।